www.davvonline.com www.davvonline.com

अगर आपको इन पेपर्स से मदद मिले
तो कृपया आका पेपर मुझे ईमेल करे
जिस से आपके जूनियर्स को मैं पेपर्स
उपलब्द करा सकू आपका मोबाइल
रिचार्ज भी करेंगे
ईमेल ma9300930012@gmail.com
or whatsapp 9300930012.

www.davvonline.com
www.davvonline.com

संस्कृत साहित्य-2015

महाकाव्य एवं नाटक

Time 3 Hours] **[M. M. Regular 85/ Private 100 / Old ATKT 70**

नोट : खण्ड अ, ब तथा स सभी विद्यार्थियों नियमित एवं प्रायवेट एवं ओल्ड ए.टी.के.टी. के लिए अनिवार्य है। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों का पालन करें। सभी के लिये अंक विभाजन योजना प्रश्नपत्र में दर्शाये अनुसार होगी।

खण्ड अ: वस्तुनिष्ठ Section A : Objective

[Reg.15×1=15/ Pvt. 15×1=15/Old ATKT 15×1=15]

सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिये-

1. राजा दिलीप ने ..... की प्राप्ति के लिये गो सेवा का व्रत लिया।
(राज्य, सन्तान, सम्पत्ति)
2. रघुवंश महाकाव्य में ..... सर्ग हैं। (इक्कीस, उन्नीस, पच्चीस)
3. एकातपत्रं जगत: प्रभुत्वं नवं वय: कान्तभिंद वपुश्च। उक्त कथन राजा दिलीप से ..... ने कंहा। (वशिष्ठ, सिंह, सुदक्षीना)
4. नाटक में यजुर्वेद से ..... तत्व को ग्रहण किया। (पाठ्य, रस, अभिनय)
5. ब्रह्मजी ने .... से सर्वक्षणयुक्त नाट्यग्रह का निर्माण करने के लिये कहा। (गन्धर्व, विश्वकर्मा, भरतमुनि)
6. भरतमुनि ने .... को नाट्यशास्त्र पढ़ाया। (ऋषियों, देवताओं, सौपुत्रो)
7. अनुष्ठानं प्रयोगस्य सूत्रं तद्धारयतीसि .....। (पूर्वरङ्ग:, सूत्रधार:, नान्दी)
8. संस्कृत नाटक में .... का उद्देश्य दर्शकों को हंसाना होता है। (विदूषक, प्रवेशक, स्वगत)

www.davvonline.com www.davvonline.com

www.davvonline.com www.davvonline.com

9. नान्दी का प्रयोग नाटक के ..... में होता है। (प्रारंभ, मध्य, अन्त)
10. राजा दुष्यन्त ने शकुन्तला को अभिज्ञान स्वरुप ..... दी। (माला, कंगन, अंगुठी)
11. शकुन्तला को ..... ऋषि ने श्राप दिया था। (दुर्वासा, कव्व, वसिष्ठ)
12. 'ग्रीवाभङ्गभिरामं पद्य में .... का वर्णन है। (अश्व, हिरण), रथ)

सही मिलान कीजिए-

13.	भास	उत्तररामचरितम् ।
14.	कालिदास	प्रतिज्ञायोगन्धगणम् ।
15.	भवभूति	मालविकाग्निमित्रम् ।

खण्ड ब. लघु उत्तरीय Section B : Short Answer

[Reg. 5×4=20/ Pvt. 5×5=25/Old ATKT 5×3=15]

1. निम्नांकित सूक्ति की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए-
स्ववीर्यगुप्ता मनो प्रसूति:।

अथवा

शस्त्रेण रक्ष्यं यदशक्यरक्षं न तद्शय: शस्त्रभृतांक्षिवोति।

2. सर्वशास्त्रसम्पन्नं, सर्वशिल्पप्रवर्तकं, सोपदेंशं और चतुर्वेदाङ्गसम्भवम् का अर्थ बताइये।

अथवा

नाट्यवृत्तियों के नाम बताइये।

3. स्वगत अथवा प्रकाश का महत्व एवं उपयोगिता बताइये।
4. निम्नांकित सूक्तियों का अनुवाद कीजिए-
सजां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्त:करण प्रवृत्तय:।
राज्यं स्वहस्तंधृतदण्डमितापत्रम् ।

अथवा

शार्ङ्गरव और शारद्वत ऋषि के चरित्र की दो-दो विशेषताएँ उदाहरण सहित बताइये।

5. भास के नाटकों के नाम बताइये।

अथवा

कालिदास की नाट्यकृतियों के नाम बताइये।

खण्ड स : दीर्घ उत्तरीय Section C: Long Answer

Reg. 5×10=50/ Pvt. 5×12=60/ Old ATKT 5×8=40

1. (क) निम्नांकित में से किसी एक पद्य की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए-

(i) निवर्त्य राजा दयिता दयालुस्त्वां सौरभेयीं सुरभिर्यशोभि:।
पयोधरीभूतचतु: समुद्रां जुगोप गोरूपधरामिवोर्वीम् ।।

(ii) अलं महीपाल तव श्रमेण प्रयुध्तमप्यस्त्रमितों वृथा स्यात् ।
न पादपोन्मूलन शक्ति रहं : शिलोच्चये मुर्च्छर्ति मारूतस्य ।।

(iii) उत्तिष्ठ वत्सेत्यमृतायमानं वचो निशम्योत्थित्तमुत्थित: सन् ।
ददर्श राजा जनमनीमिव स्वां गामग्रत: प्रस्त्रग्विणी न सिंहम् ।।

(ख) रघुवंश के द्वितीय सर्ग के आधार पर राजा दिलीप का चरित्र-चित्रण कीजिए।

www.davvonline.com www.davvonline.com

अथवा

राजा दिलीप और सिंह के संवाद का सारांश और वैशिष्ट्य लिखिये।

2. अधोलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए-

(i) जग्राह पाठ्य ऋग्वेदात्सामभ्यो गीतमेव च।
यजुर्वेदादभिनयान् रसानाथर्वणादपि।

(ii) भारतीं सात्त्वतीं चैव वृत्तिमारभटीं तथा।
समाश्रितः प्रगोगस्तु प्रयुक्तो वै मया द्विजाः।।

(iii) नानाभावोपसम्पन्नं नानावस्थानन्तरात्मकम्।
लोकवृत्तानुकरणं नाट्मेत्तन्मया कृतम्।।

(iv) दुःखार्तानां श्रमार्तानां शोकार्तानां तपस्विनाम्।
विश्रान्तिर्यजननं काले नाट्यमेतद् भविस्याति।।

3. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिये-

(अ) प्रस्तावना (ब) भरतवाक्य (स) नान्दी (द) विदूषक।

4. (अ) अधोलिखित में से किसी एक पद्य की सन्दर्भ प्रसङ्ग सहित व्याख्या कीजिए-

(i) यदालोक सूक्ष्म व्रजति सहसा तद्विपुलतां
यदधे विच्छिन्नं भवति कृतसन्धानमिवतत्
प्रकृत्या यद्वकं नदपि समरेंख नयनयो
र्न में दूरे किंचित्क्षणमपि न पाश्वे रथजवात्।

(ii) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या
नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।
आद्ये वः कुसुमप्रसूति समये यस्या भवत्युत्सवः
सेटां याति शकुन्तला पतिग्रंह सर्वैरनुज्ञायताम्

(iii) स्वसुखनिराभिलाषः श्विद्यसे लोकहेतोः
प्रतिदिनमथवा ते वृत्तिरेवंविधैव।
अनुभवति हि मूर्ध्ना पादपस्तीव्रमुंष्णं
शमयति परिताप छायया संश्रितानाम्।।

(ब) दुष्यन्त का चरित्र चित्रण उदाहरण सहित कीजिए।

अथवा

अभिज्ञानशाकुन्तल के पञ्चम अंक का महत्व बताइये।

5. किन्हीं दो नाट्यकृतियों पर परिचय दीजिये-

(अ) उकभङ्गम् (ब) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(स) महावीर चरितम् (द) स्वप्नवासवदत्तम्।